समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

एम. ए. संस्कृत, चतुर्थ सत्र

निबन्ध तथा अनुवाद (MSKTC 403) **कुल अंक 20**

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्न लगभग 1000-1500 शब्दों में अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment)1 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए –

1. प्रजापति से संसार उत्पन्न होता है ।
2. क्षेत्रपाल ने खेत से पशु को हटाया ।
3. मुझे पुस्तक पढ़नी चाहिए ।
4. धन से ज्ञान अधिक अच्छा है ।
5. गाँव और विद्यालय के बीच में नदी है ।
6. कवियों में कालिदास श्रेष्ठ है ।
7. ईश्वर संसार का कर्त्ता है ।
8. दर्जी सूई से वस्त्र सीता है ।
9. उसने बगीचे में जाकर विश्राम किया।
10. गुरुजनों की सेवा करने चाहिए।

प्र. 2 निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं सात अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध वाक्यों में लिखिए-

रामं विद्यालय: गच्छति । मनुष्यौ आगच्छन्ति । युवाम् आगच्छथ:। बालकं पुस्तकं रोचते । इदं वृक्षात् एते फलानि । चोरेण बिभेति । धनेन ज्ञानं गुरुतर: । जनकं स्मरति । त्वम तस्य गृहं गत्वा किं करोति।

प्र. 3 निम्नलिखित में से किन्ही सात वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

राजा गृहं गतवान्। भुक्तवता तेन कार्यं कृतम् । भोजनं खादते विप्राय फलं देहि । धावत: अश्वात् नर: पतित: । शिष्य: अधीयान: अस्ति । अहं कार्यं कर्तुमिच्छामि । इदं देवदत्तस्य पुस्तकम् अस्ति। स: ईश्वरं ध्यायति । सुरेखा पुष्पैः मालाः अरचयत्। परेषाम् निन्दा मा कुरुत।

प्र. 4 निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए –

1. मैं अपने जीवन में अनुशासन का पालन करूँगा।
2. हम परस्पर मिलकर रहेंगे।
2. वे सब तीर्थस्थल देखने के लिए गए।
4. निर्धनों पर दया करो।
5. दुष्ट लोगों की संगति नहीं करनी चाहिए।
6. संस्कृत भाषा बहुत ही सरस है।
7. ज्ञान के बिना मुक्ति नहीं होती।
8. लक्ष्मण स्वभाव से कठोर थे।
9. गोपाल साँप को देखकर भाग गया।
10. शिवाजी बड़े वीर थे।

समनुदेशन(Assignment)2 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 निम्नलिखित में से किसी एक अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

भारतवर्ष ग्राम-प्रधान देश है। इसकी अधिक जनता गाँवों में रहती है। ग्राम-निवासियों को ग्रामीण कहा जाता है। इनका जीवन बहुत ही सरल और निष्कपट होता है। इनकी वेशभूषा भी साधारण होती है।

इनका लक्ष्य होता है-सादा जीवन और उच्च विचार। ये बहुत ही परिश्रमी होते है। ग्रामों की जलवायु स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभप्रद होती है। अत: एव ग्रामीण जन स्वस्थ और हृष्ट-पुष्ट होते है।

या

सज्जनों के आचार को शिष्टाचार कहते है। सज्जन पुरुष सदा दूसरों का उपकार करते है। अपने से बड़ों का आदर और सम्मान करते है। दूसरों के दु:ख में दु:खी होते है। अपने स्वार्थ की सिद्धि के लिए दूसरों को हानि नही पहुँचाते। मधुर वचन बोलते है। प्रत्येक मनुष्य को शिष्टाचार का पालन करना चाहिए। उनका कर्त्तव्य है कि वह बड़ों की आज्ञा का पालन करे, उनका आदर करे। अपने सम्बन्धियों से प्रेम करे। निरर्थक विवाद न करे। सबसे स्नेह का व्यवहार करे।

प्र. 2 निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किसी एक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

हिमाचलप्रदेशे शतद्रुः, विपाशा, रावी, यमुना प्रभृतयः महानद्यः प्रवहन्ति। विश्वप्रसिद्धो भाखड़ा बाँधः, कन्दरौर सेतु च हिमाचले एव विद्यते। अत्र मनाली, शिमला, डलहौजी आदि नगराणि पर्यटन दृष्ट्या अतीव महत्त्वपूर्णानि विद्यन्ते। ग्रीष्म ऋतौ लक्षशः जनाः भ्रमणाय अत्रागच्छन्ति। हिमाचले श्रीनयना देवी, चिन्तपूर्णी, ज्वाला, चामुण्डा, प्रभुतानि शक्ति पीठानि विद्यन्ते। अन्यानि अपि दियोटसिद्धादीनि भव्यमन्दिराणि देवस्थानानि च अत्र सन्ति।

च

अस्माकं सर्वेऽपि धार्मिक ग्रन्थाः संस्कृत भाषायामेव सन्ति। अतः तेषां ज्ञानार्थं जनेभ्यश्च धार्मिक शिक्षां दातुं संस्कृत भाषायाः ज्ञानं परमनिवार्यमस्ति। आध्यात्मिक ज्ञानमपि संस्कृतस्य ग्रन्थेषु एव विद्यते अतः आध्यात्मिक ज्ञानामपि संस्कृत भाषायाः ज्ञानम् अनिवार्यं विद्यते। अस्माकं सर्वे संस्काराः अपि संस्कृत भाषया एव निष्पाद्यन्ते। अतः अस्या भाषायाः ज्ञानम् अध्ययनं परमावश्यकमस्ति।

प्र.3 उपमा कालिदासस्य इस पंक्ति पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए ।

प्र. 4 माघे सन्ति त्रयो गुणा: इस पंक्ति पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए ।

समनुदेशन (Assignment)3 अंक 06 (3X2)

प्र. 1 गीताया: महत्त्वम् पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए ।

प्र. 2 'गद्य कवीनां निकषं वदन्ति' इस पंक्ति पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए ।

प्र. 3 निम्नलिखित में से दो निबन्धों पर टिपण्णी कीजिए-

विद्याविहीन: पशु: । सत्यमेव जयते नानृतम् । अहिंसा परमो धर्म: । आचार: परमो धर्म: । सत्संगति: कथय किं न करोति पुंसाम् । संस्कृतभाषाया: महत्त्वम् ।

प्र. 4 जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए ।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातकोत्तर संस्कृत चतुर्थ सत्र

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....